दबंग गर्ल और सपनों की उड़ान

DEEPER LEARNING COMICS
an initiative of DLIPL

ISSUE 06-eHI

KNOWLEDGE PARTNER
SATYARTHI
KAILASH SATYARTHI CHILDREN'S FOUNDATION

DABUNG GIRL

एक दिन अंतरिक्ष से आये कुछ अजनबी भारत की मशहूर वैज्ञानिक को उठा ले गए... अनजाने में वो उनकी दोनों बेटियों (तारा और माया) को भी ले गए... कोई नहीं जानता क्यों!

इस घटना के तीन साल बाद, एक रात आसमान में एक अलग तरह की रोशनी देखी गई...

उसी रात एक दूसरी दुनिया का विमान, उस वैज्ञानिक की दोनों बेटियों को उनके पिताजी के पास तड़कापुर में वापस ले आता है... लेकिन उस वैज्ञानिक का आज भी कोई अता-पता नहीं है...

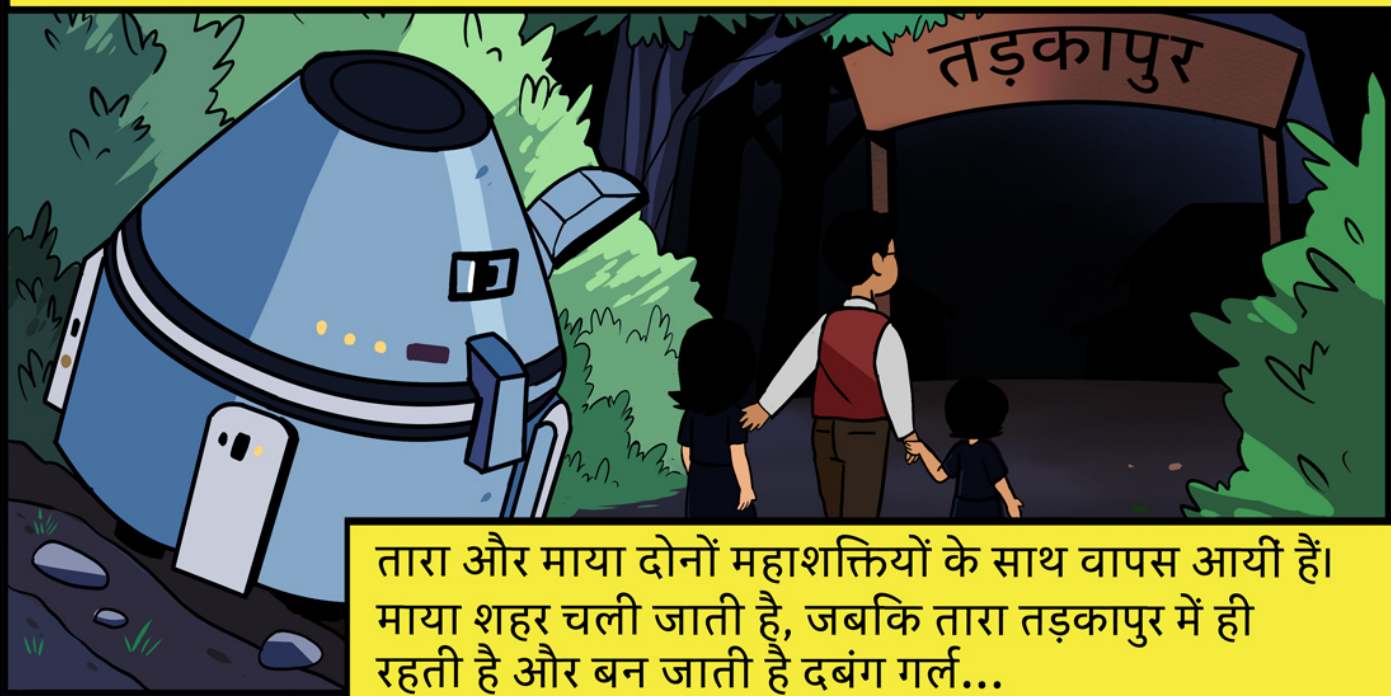

तारा और माया दोनों महाशक्तियों के साथ वापस आयीं हैं। माया शहर चली जाती है, जबकि तारा तड़कापुर में ही रहती है और बन जाती है दबंग गर्ल...

आपके पसंदीदा दोस्त!

मिलिए दबंग गर्ल से, एक सुपरहीरो, जो अपने दोस्तों की मदद के लिए हमेशा तैयार है

शक्ति #1 - नैनो खिंचाव
अपने शरीर को लम्बा करके
वो तुरंत दूर-दूर तक पहुँच सकती है

शक्ति #2 - सुपर न्यूरॉन्स
वो अपने दिल और दिमाग दोनों को 100%
क्षमता पे इस्तेमाल कर सकती है

तारा - एक समझदार लड़की, जो असल में दबंग गर्ल है

मुस्कान - एक हंसमुख लड़की, जिसे सवाल करना बहुत पसंद है

चिंटू - एक भावुक लड़का, जिसे शायरी करना पसंद है

नैना - एक हरफनमौला लड़की, जो गणित और खेल में सबसे आगे है

तड़कापुर के सालाना मेले में दौड़ के लिए तैयार बच्चे!
दबंग गर्ल और सपनों की उड़ान
तड़कापुर मेला
जीत तुम्हारी है
खूब तेज़ भागो!
नैना! लगता है इस साल की तड़कापुर मेला रेस तुम्ही जीतोगी!
कोई शक!
नैना! नैना!
04

1... 2... 3... और रेस शुरू!
मेला
खूब तेज़ भागो!
नैना! नैना!
सबसे तेज़ भागे कौन? नैना...नैना...
तेज़ और तेज़!
नैना पिछला डिस्ट्रिक्ट रिकॉर्ड भी तोड़ देती है!

कमाल कर दिया नैना!
अब तो तुम डिस्ट्रिक्ट लेवल रेस के लिए ज़रूर जाओगी!
चारों दोस्त नैना की जीत की ख़ुशी मनाते हैं...

तभी, नैना की माँ वहाँ पहुँचती हैं...
नैना! नैना!
!
चल घर, हमें डलियागंज जाना है शादी में... भाग-भाग के मिल्खा सिंह बनेगी क्या?
नहीं माँ...
उनसे भी तेज़ भागूंगी मैं!

अगले दिन क्लास में...
मैडम के आने तक अंताक्षरी खेलते हैं ना! थोड़ा गा के टाइम पास करते हैं ना!
क्या तुम भी खेलोगी नैना, देखो अब ना मत कहना!
अरे नैना, तुम गुमसुम सी लग रही हो, क्या ग़म है जिसे छुपा रही हो?
नैना कुछ बोले बिना बाहर भाग जाती है...

तारा! नैना कुछ परेशान है... चलो उससे बात करते हैं
स्कूल के मैदान में...
नैना, हमें बता क्या हुआ, क्यों है तेरा चेहरा उड़ा हुआ?
कल मैं गयी थी ना डलियागंज...
तो फिर?
वहाँ... वहाँ... गांव के मुखिया के बेटे से मेरी शादी पक्की कर दी घर वालों ने

लेकिन तुम्हारी उम्र ही क्या है! अभी तो तुम्हें पढ़ना है, खेल में अपना नाम करना है!
मुझे भी ऐसा ही लगता है...
पर मेरी डलियागंज वाली बहन की शादी हुई तो वो तो बहुत खुश थी... वो मेरी उम्र की ही है
अरे इतनी नादान मत बनो! गैर कानूनी है बच्चों की शादी करना
हाँ, मैंने सुना तो है... और मेरे मिल्खा सिंह बनने के सपने का भी तो गला घुट जाएगा

मेरी दोस्त के सपने को मैं टूटने नहीं दे सकती!
नैना, परेशान मत हो... सत्या अंकल से मिल के कुछ हल निकालते हैं
ऐसे में जब दबंग गर्ल की ज़रुरत है, तब न जाने वो कहाँ है
कहीं काम में फंसी होगी... वो ज़रूर आयेगी हमें सलाह देने... मैं उसको ढूंढ के भेजती हूँ!

जब मुश्किल हो घड़ी,
दबंग गर्ल है दोस्तों के साथ खड़ी!
कबूम!

आई रे, आई रे,
दबंग गर्ल आई रे!

क्यों ना नैना के माँ-बापूजी से एक बार बात करके देख लूँ...
थोड़ी देर बाद, नैना के घर पे...
अरे दबंग गर्ल हमारे यहाँ?
आंटी, नैना के बारे में कुछ बात करनी है
मैं समझ गई कि तुम क्यों आई हो... यह हमारे घर का मामला है!
नैना की माँ दरवाज़ा बंद कर देती हैं...
धाड़
लगता है घी सीधी उंगली से नहीं निकलेगा...

सत्या अंकल के ऑफिस में...
अंकल, मेरी शादी का रिश्ता आया है... बापूजी कहते हैं पैसे की कमी है... शादी कर देंगे तो उनका बोझ कम होगा
यह तो तुम्हारी पढ़ने-लिखने और खेलने की उम्र है... वो ऐसे कैसे शादी कर देंगे!
क्या तुम जानती हो कि इतनी कम उम्र में शादी करने से तुम्हारे दिमाग और शारीरिक स्वास्थ्य पे कितना बुरा असर पड़ेगा?
तभी दबंग गर्ल बाल कल्याण समिति अधिकारी, ग़ज़ल जी, को ले कर पहुँचती है...
दबंग गर्ल ये अच्छा किया कि तुम ग़ज़ल जी को भी ले आई... हमें तुरंत चलना चाहिए नैना के घर...

मुझे बताया दबंग गर्ल ने... हम नैना के माँ-बापूजी को समझाते हैं और यह अपराध करने से रोकते हैं...
उसका कोई फायदा नहीं... भाई ने कोशिश की थी, पर बापूजी ने उसे घर से निकालने की धमकी दी
वो तुम हम पर छोड़ दो!
नैना के घर पे... नैना के बापूजी दरवाज़ा खोलते हैं...
अरे...यह... यह क्या हो रहा है! इतने सारे लोग हमारे यहाँ?
यह जो आप कर रहे हैं वह कानूनी अपराध है!
मतलब?
मतलब कि 18 साल से कम उम्र के बच्चे की शादी करने पर आपको जेल और जुर्माना दोनों हो सकता है

जेल की धमकी तो दे दी आपने... क्या लगता है, मैं प्यार नहीं करता अपनी बेटी से? पर लड़की तो पराया धन है ना!
तो क्या मैं आप पर बोझ हूँ!
मेरी मजबूरी समझो बेटी!
कौन से ज़माने की सोच रखते हैं आप... लड़कियाँ तो आज हर क्षेत्र में ऊंचाइयां छू रही हैं
हम बहुत गरीब लोग हैं, इससे अच्छा रिश्ता हमारी बिटिया रानी के लिए नहीं मिलेगा... और वो लोग तो दहेज भी नहीं ले रहे हैं!

दबंग गर्ल दीवार से नैना के मेडल्स उतारती है...
यह देखिये, नैना के रेस में जीते मेडल्स...
दबंग गर्ल नैना की कॉपी निकालती है...
!
बापूजी का नाम रौशन करूँगी मैं...
यह निबंध देखिये... कहती है "बापूजी का नाम रौशन करूँगी मैं"

लाखों का कर्जा है मुझ पे, यह शादी हो जाएगी तो थोड़ी राहत मिलेगी
छोटी अवस्था की लड़की की शादी करोगे तो फिर उसे गरीबी और मजबूरी में झोकोगे
अगर आप अभी भी नहीं माने तो हमें पुलिस में शिकायत दर्ज करनी पड़ेगी!
यह सुनते ही नैना के माँ-बापूजी घबरा जाते हैं...
कुछ देर सोचने के बाद...
हम यह क्या करने जा रहे थे... हमें माफ़ कर दो!

सबके जाने के बाद...
खबरदार जो तूने शादी के बारे में फिर से किसी से कुछ कहा
क्या तू चाहती है हम लोग जेल जाएं?
क्या! लेकिन आप तो...
तुझे क्या लगा, तू सबको ले आएगी तो तेरी शादी रुक जाएगी?
और हम जो कर रहे हैं तेरे अच्छे के लिए ही कर रहे हैं... तेरी दुनिया संवर जाएगी!

दो चेहरे वाला जोकर नैना की तरफ बढ़ता हुआ...
मेरे चेहरे हैं दो, करना ना मेरा विश्वास,
दूंगा धोखा तुमको, मत रखो झूठी आस!
अचानक तारा की नींद टूटती है...
कितना भयानक सपना था...
मुझे डर है कि शायद नैना के ऊपर खतरा अभी टला नहीं... कुछ करना होगा!

अगले दिन मेले में नैना और मुस्कान नाटक की तैयारी करते हुए...
तभी वहाँ तारा भागते हुए पहुँचती है...
कल रात मैंने एक नया नाटक लिखा... क्या तुम दोनों मेरी मदद करोगी इसे करने में?
हाँ! हाँ! बिलकुल!
नैना के माँ-बापूजी भी नाटक देखने आएं हैं...

नैना और मुस्कान शुरू करते हैं मेले का नाटक...
यह कहानी है टीना और मीना की...
जो सिर्फ जुड़वाँ बहने ही नहीं, एक दूसरे की जान थीं...

अम्मा की परियाँ,
बापू की शान,
पूरे करेंगी उनके
सारे अरमान...
इस सपने को लेकर
आगे बढ़ती रहीं,
पूरी लगन से
मेहनत करती रहीं...
दोनों ही थीं
पढ़ाई में अव्वल नंबर,
खेल में भी ना था
कोई उनसे बढ़कर...

पर टीना को था
शादी का शौक,
कर दिया हाँ मुखिया
के बेटे के रिश्ते को...
अभी 12 साल की ही
थी वह लड़की,
ना जाने क्या थी
उसको इतनी जल्दी...
मीना रही पढ़ती,
चली डॉक्टर बनने शहर,
टूट गया बहन से संपर्क,
चिंता थी उसे हर पहर...
टीना की मिली ना
कोई खबर वर्षों,
फिर आया
एक पत्र...
मुझे बचा
लो...

मीना लाई टीना को शहर के अस्पताल, लेकिन देर हो गई थी कुछ साल...
शादी, बच्चे, काम का बोझ कच्ची उम्र में, कमज़ोर कर गया था टीना को धीमें-धीमें...
ना स्वास्थ्य की जानकारी, ना खेलने की आज़ादी, एक अधूरी ज़िन्दगी जी के गुज़र गई बिटिया प्यारी...

धरे रह गए
उसके खेल के मेडल,
ना पूरा हुआ
सपनों का महल...
1st
1st
1st
1st
ना जल्दी की होती
शादी टीना की,
कामयाब होती वह भी
मीना सी

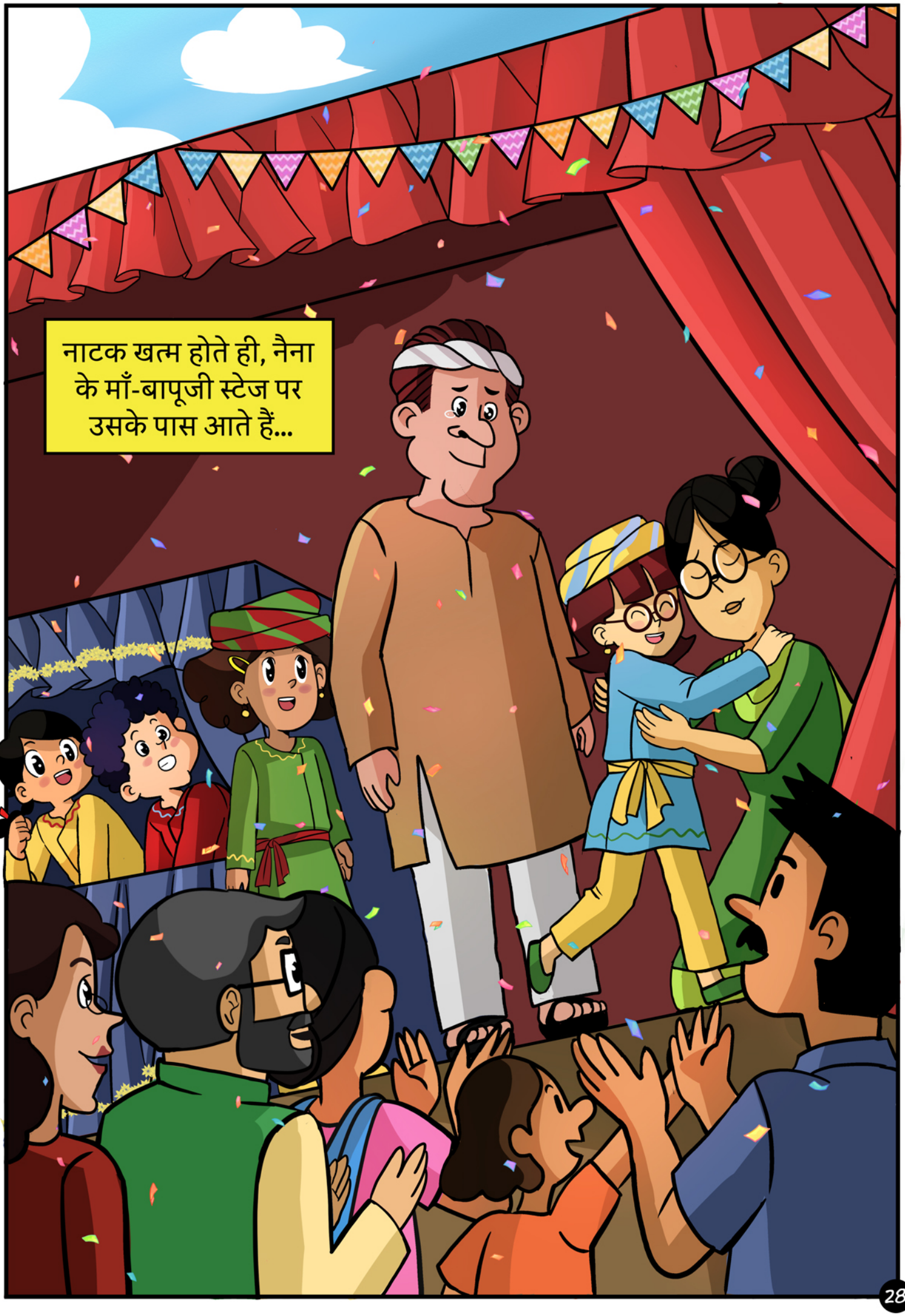
नाटक खत्म होते ही, नैना के माँ-बापूजी स्टेज पर उसके पास आते हैं...

नाटक के बाद, घर लौटते हुए...
नैना, हमें माफ़ कर दो... हम ना होने देंगे तेरी शादी अभी...
बनेगी मिल्खा सिंह बिटिया मेरी...
तभी दबंग गर्ल वहाँ पहुँचती है...
शाबाश मेरी नैना! सुना तुम्हारी अदाकारी ज़बरदस्त थी!
कोई शक!
अचानक एक जीप सामने रूकती है...

क्यों भाई, कब तक भेजोगे वो शादी का सामान?
उसके बारे में मैं आपको मिलने ही वाला था... हम अभी रिश्ते की बात आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं...
नैना पहले बालिग हो जाए, फिर सोचेंगे...
ये लाठी देख रहे हो ना... प्यार की भाषा समझ जाओ नहीं तो लाठी बोलेगी हमारी!
दबंग गर्ल झट से सामने आती है...
ओह! तुम कौन लड़की हो भाई?

मैं हूँ तुम्हारा सबसे बड़ा ख़ौफ़!... दबंग गर्ल!
!
दबंग गर्ल अपने हाथ लम्बे कर के उस आदमी को हवा में उठा लेती है...
दबंग गर्ल अपना कद बढ़ाती है... और ऊपर... और ऊपर!

माफ़ करो मुझे! मुझे ऊंचाई से डर लगता है!
अरे इतनी जल्दी डर गए?
आदमी अकड़ के बोलता है...
मेरा नाम है दलेर साबू, रखता हूँ डलियागंज पर पूरा काबू... मैं नहीं डरता एक बच्ची से!
दबंग गर्ल उसे ज़ोर से घूमती है...

और दूर फेंकती है!
डलियागंज में लटका हुआ दलेर साबू!
डलियागंज
कोई बचाओ...
यह लड़की तो बिलकुल अपने नाम के जैसी है! दबंग!
उसके बाकी साथी दुम दबा के भागते हैं...

अगले दिन बरगद के पेड़ के नीचे...
दोस्तों, पिछले कुछ दिनों में कुछ नया सीखा?
यही की तड़कापुर के बाहर जाना खतरों से खाली नहीं... हा! हा! हा!
चिंटू, तुम भी ना...
और जैसा तुमने पहले बोला था, हमें एक होकर बच्चों की सरकार बनानी होगी
यानि कि, बच्चों की पंचायत!
बिल्कुल सही! इसमें बच्चे ही सदस्य, मुखिया, और उप मुखिया होंगे... और तुम खुद अपनी परेशानियाँ समझ कर बड़ों तक ले जाओगे!
मेरा काम हुआ पूरा! सायोनारा!

थोड़ी देर बाद तड़कापुर पार्क में...
अरे चिंटू इतने दुखी क्यों हो? और हांफ क्यों रहे हो?
अभी मैंने नैना से रेस लगाई, और हार गया!
तो इसमें दुखी होने की क्या बात है, नैना तो है ही चैम्पियन रनर
दुखी इसलिए कि नैना तो भाग रही थी, पर मैं साइकिल पे था!
हा!
हा!
हा!
कहानी समाप्त...

बाल विवाह क्या है?

18 वर्ष से काम आयु की लड़की, या 21 वर्ष से काम आयु के लड़के के विवाह को बाल विवाह कहते हैं। बाल विवाह विभिन्न संस्कृतियों और धर्मों में होता है। यह बच्चों, विशेष रूप से युवा लड़कियों के अधिकारों का घोर उल्लंघन है।

भारत में बाल विवाह के प्रमुख कारण शिक्षा की कमी, सदियों पुरानी सांस्कृतिक प्रथाएँ, गरीबी, असुरक्षा, और लड़कियों के साथ होने वाले भेदभाव हैं।

बाल विवाह के क्या दुष्परिणाम हैं?

बाल विवाह लड़कों और लड़कियों, दोनों को प्रभावित करता है। हालांकि, यह लड़कियों को बुरे तरीके से प्रभावित करता है क्योंकि यह उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वतंत्रता के अधिकारों से वंचित कर देता है। आइए देखें कैसे -

- खराब स्वास्थ्य: यह एक बालिका के स्वास्थ्य और सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है और यौन संचारित रोगों (एसटीडी), गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की संभावना को बढ़ाता है और यहां तक कि प्रसव के दौरान बालिका की मृत्यु भी हो सकती है।
- शिक्षा से इनकार: जिन लड़कियों की शादी जल्दी हो जाती है, उन्हें अपनी शिक्षा के साथ समझौता करना पड़ता है। उन्हें शिक्षा प्राप्त करने और अपने भविष्य को संवारने जैसी कई गतिविधियों से वंचित कर दिया जाता है।
- घरेलू हिंसा के बढ़ते उदाहरण: विवाह के बाद बालवधू के साथ घरेलू हिंसा होने की संभावना अधिक रहती है।
- बाल अधिकारों का उल्लंघन: लड़कियों और लड़कों को ऐसे अवसरों से वंचित रखा जाता है, जिससे वे गरिमापूर्ण तरीके से अपनी पूरी क्षमता तक बढ़ें और स्वयं को विकसित कर सकें।

बाल विवाह के संबंध में शिकायत कहाँ दर्ज करें?

आप बाल विवाह के खिलाफ शिकायत निम्नलिखित स्थानों पर कर सकते हैं, चाहे वह विवाह पहले ही हो चुका हो या भविष्य में उसको आयोजित किया जाना है-

- पुलिस स्टेशन (100 पर कॉल करें)
- चाइल्ड लाइन (1098 पर कॉल करें)
- आपके क्षेत्र के बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) को सूचित करें
- बचपन बचाओ आंदोलन की शिकायत सेल (1800-102-7222 पर कॉल करें)

भारत में बाल विवाह से संबंधित कानून कौन से हैं?

- बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006
- किशोर न्याय (बच्चों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015

बच्चों के मन की बात

हेलो दोस्तों... क़वूम!!!

मुझे मेले का नाटक देख के मज़ा ही आ गया। इस संस्करण में सबने मिल के नैना को बचा लिया ताकि वो अपने सपने को पूरा कर सके। भारत में बाल विवाह के कारण अनेक बच्चों का बचपन अशिक्षा और गरीबी में फंस जाता है। इसलिए याद रखें कि ऐसा ना तो अपने साथ और ना अपने दोस्तों के साथ होने दें।

ये तो हुई काम की बातें। अब बताओ कि कोरोना के समय में सब सुरक्षा के पूरे कदम उठा रहे हो ना? याद रहे, हम सब को सावधान रहना है! अच्छा अब मैं चलती हूँ... भूख लगी है! सोच रही हूँ आज गोल-गप्पे खाऊं!

जल्दी ही मिलेंगे फिर से,
तब तक के लिए सायोनारा!

बहुत सारा प्यार,
दबंग गर्ल

रंग भरें

मुझे अलग-अलग रंग के कपड़े पहनने बहुत पसंद हैं| क्या आप मुझे सुझाव दे सकते हो मेरे कपड़ों के लिए नए रंगों का?

लेखक: सौरभ अग्रवाल और अभिषेक सिंह

संपादक टीम: कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन

चित्रकार: मोना सिंह

डिजाइन परिष्करण: अभिश्रेय मित्तल

कुछ विशेष लोगों को धन्यवाद:
नेहा अग्रवाल, निरुपमा रामप्रसाद, पूजा शर्मा, अभिश्री मित्तल, रुचि हजेला, अनुराग सक्सेना, आनंद प्रकाश सिंह, अनंत सिंह, रोहित पांडे, एन इपेन, नीलम पोल, रीता अग्रवाल, विपुल सहगल, कमलाकांत पाठक, अभिषेक मित्तल, अपाला चव्हाण, सारा बेनबदल्लाह, ओरेन इप्प, फिओना हेज़ेल, जोनाह फिशर

अस्वीकरण:
इस पुस्तक की कहानी एक काल्पनिक रचना है। इस कहानी के सभी पात्र, उनके नाम और घटनाएं काल्पनिक है, इसका किसी भी व्यक्ति या घटना से कोई संबंध नहीं है। यदि किसी भी जीवित या मृत व्यक्ति से समानता पाई जाती है तो ये मात्र एक संयोग होगा।

यह पुस्तक बाल विवाह की घटनाओं से निपटने के लिए किसी विशेषज्ञ दिशा-निर्देश / सलाह को स्थानापन्न करने या उनके नतीजों से निपटने के उद्देश्य से नहीं है। बाल विवाह से संबंधित मामलों में प्रासंगिक कानून अधिकारियों और स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रदाताओं से परामर्श करना चाहिए।

डीपर लर्निंग इन्नोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रकाशित।
Copyright © 2020 Deeper Learning Innovations Pvt. Ltd. All Rights Reserved.
No part of this book may be used or reproduced in any manner whatsoever without written permission.
इस पुस्तक का कोई भी भाग, बिना लिखित अनुमति के, किसी भी तरह से उपयोग या पुन: प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है।

अपने प्रश्नों और टिप्पणियों को मेल करें:
reach@DabungGirl.com

वेबसाइट: https://DabungGirl.com

SATYARTHI

KAILASH SATYARTHI CHILDREN'S FOUNDATION

कैलाश सत्यार्थी

श्री कैलाश सत्यार्थी दुनिया के जानेमाने बाल अधिकार कार्यकर्ता हैं। वह चार दशकों से बच्चों के अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बच्चों को जबरिया बाल मजदूरी, गुलामी, ट्रैफिकिंग, यौन शोषण और हिंसा से बचाने के लिए वह 140 देशों में काम करते हैं। बच्चों की खुशहाली, शांति, सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा के अधिकारों को बनाए रखने और बाल शोषण के खिलाफ दुनिया भर के आंदोलनों के अलावा वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर बच्चों के मुद्दों को केंद्र में लाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। श्री सत्यार्थी को भारत सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गरीब, वंचित और उपेक्षित बच्चों के अधिकारों के संघर्ष के लिए साल 2014 में दुनिया के सबसे बड़े नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

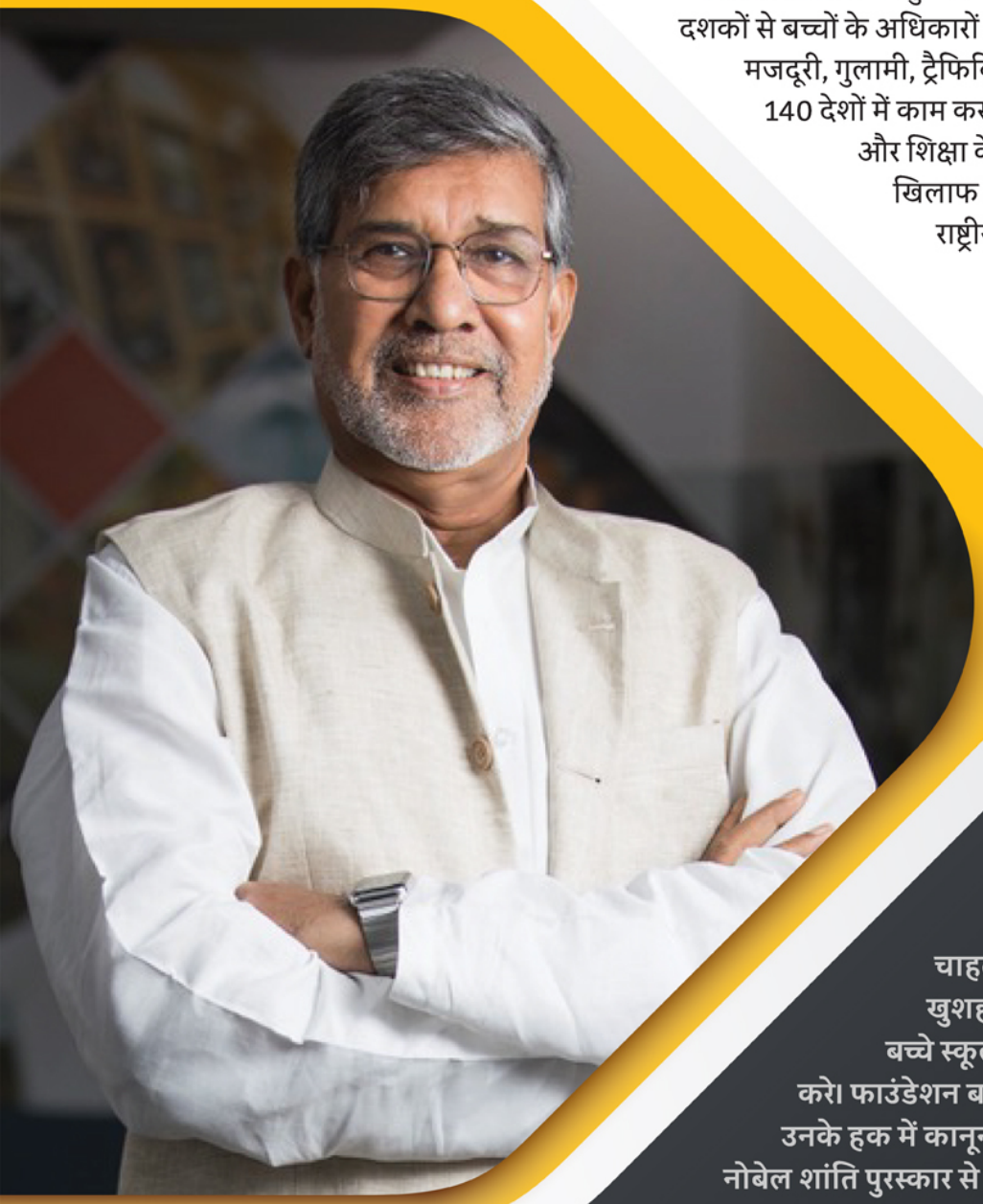

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन दुनियाभर के बच्चों के अधिकारों के लिए काम करता है। वह एक ऐसी दुनिया बनाना चाहता है जहां सभी बच्चों का बचपन आजाद और खुशहाल हो। किसी भी बच्चे का शोषण न हो। सभी बच्चे स्कूल में पढ़ाई करें। कोई भी बच्चा बाल मजदूरी न करे। फाउंडेशन बच्चों के शोषण के खिलाफ आंदोलन चला कर उनके हक में कानून और नीतियां भी बनवाता है। इसकी स्थापना नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित जानेमाने बाल अधिकार कार्यकर्ता श्री कैलाश सत्यार्थी ने की है।

100 मिलियन कैंपेन

100 मिलियन कैंपेन दुनिया भर के बच्चों का बचपन आजाद, खुशहाल, शिक्षित और सुरक्षित बनाने का विश्व का सबसे बड़ा आंदोलन है। इस आंदोलन का मकसद दुनिया में गरीबी, भुखमरी, गुलामी और हिंसा के शिकार 10 करोड़ बच्चों के लिए बेहतर जीवन जीने वाले 10 करोड़ बच्चों और युवाओं को तैयार करना है, जो उनकी आवाज बन सकें। उनके अधिकारों के लिए देश-दुनिया में आंदोलन कर सकें।

बदलाव संभव है - यह साथसाथ काम करने और अपनी मांगें मनवाने का वक्त है। तो आइए, हम इसकी शपथ लें और इस दिशा में सक्रिय हो जाएं।

हमसे जुड़ें- http://www.100million.org/act-now

info@satyarthi.org | 011 – 47511111 | satyarthi.org.in

लीडर
#DabungGirl

दबंग गर्ल एक भारतीय सुपरहीरो है जो सामाजिक न्याय और लैंगिक समानता की दिशा में काम करती है।

निर्भय
#DabungGirl

@DabungGirl

+91-8287672077

reach@DabungGirl.com

बहादुर
#DabungGirl

वह बच्चों को अपने भीतर के नायक को महसूस करके समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रेरित करती है।

/DabungGirl

~~मजबूर~~
#DabungGirl

आत्मविश्वासी
#DabungGirl

होशियार
#DabungGirl

~~नाज़ुक~~
#DabungGirl

@dabung.girl

दोस्तों की दोस्त
#DabungGirl

/c/DabungGirl

~~मतलबी~~
#DabungGirl

ज़िंदादिल
#DabungGirl

जिज्ञासु
#DabungGirl

वह बच्चों की कल्पना और आत्मविश्वास को पंख देती है।

हमदर्द
#DabungGirl

DabungGirl.com

This edition of Dabung Girl Comic Book was jointly developed by
Deeper Learning Innovations Pvt. Ltd. (DLIPL) and Kailash Satyarthi Children's Foundation (KSCF)